स्लॉथ भालू दिखने पर क्या करें और क्या न करें

ये करें ✓	ये न करें ✗
जंगल में से अकेले गुज़रते समय साथ में डंडा रखें और किसी चीज़ से तेज़ आवाज़ करते रहें। इससे स्लॉथ भालू को आपकी उपस्थिति का प चलेगा और वह आपसे दूर रहेगा	जंगल में अकेले यात्रा न करें
गैर लकड़ी वन उत्पाद जैसे महुआ फूलों को घर में अंदर रखें ताकि स्लॉथ भालू उनकी ओर आकर्षित न हों	जंगल में रात के समय तेंदू पत्ते या महुआ फूल इकट्ठा करने न जाएं क्योंकि इससे मानव भालू संघर्ष हो सकता है
अहसास होने पर कि स्लॉथ भालू आपको देख रहा है या अचानक उसके सामने आ जाने पर धीरे–धीरे पीछे हट जाएं	आवाज़ न करें, भागे नहीं या कुछ भी ऐसा न करें जिससे स्लॉथ भालू आपकी ओर आकर्षित हो जाए क्योंकि इससे स्लॉथ भालू को ख़तरा महसूस हो सकता है और वह आक्रमण कर सकता है
जंगल में स्लॉथ भालू देखने पर और अगर उसने आपको नहीं देखा है, तो रुक जाएं और बिना कोई आवाज़ किए पीछे हट जाएं	स्लॉथ भालू से भागने के लिए पेड़ पर न चढ़ें क्योंकि यह जानवर पेड़ पर चढ़ने में माहिर होता है
अगर स्लॉथ भालू आपकी ओर दौड़कर आ रहा है, तो अपने दोनों हाथ उठाकर तेज़ चिल्लाएं औए धीरे–धीरे पीछे हट जाएं। इससे स्लॉथ भालू को लगेगा कि आपका आकार उससे बड़ा है और वह आप पर आक्रमण करने का विचार छोड़ देगा	स्लॉथ भालू पर टॉर्च की रोशनी न फ़ेंकें और पत्थर न मारें क्योंकि इससे वह परेशान होकर अपना बचाव करने के लिए आप पर आक्रमण कर सकता है
गाँव में या उसके पास के जंगली इलाके में किसी स्लॉथ भालू को दिखने पर वन विभाग को सूचित करें	सूर्योदय से पहले और रात को शौच के लिए जंगल में या जंगल के किनारे न जाएं; शौचालय का इस्तेमाल करें
चोटिल व्यक्ति को पास के अस्पताल में लेकर जाएं और वन विभाग को सूचित करें	घर के आसपास और रास्ते पर कचरा ख़ासकर खाने से निकला कचरा न फ़ेंकें क्योंकि यह स्लॉथ भालू को आकर्षित करता है

भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन

भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन पर भारत–जर्मनी सहयोग
2017 – 2023
भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन
के संबंध में सामंजस्यपूर्ण सहास्तित्व पद्धति का क्रियान्वयन

german cooperation DEUTSCHE ZUSAMMENARBEIT
Implemented by giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH
Ministry of Environment, Forest and Climate Change Government of India
Directorate of Forests Government of West Bengal
Centre for Environment Communication — Environment is First
आज़ादी का अमृत महोत्सव
LiFE Lifestyle for Environment
G20